No. of Printed Pages : 3 **BSKC–133**

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (संस्कृत) सामान्य

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एस.के.सी.-133 : संस्कृत नाटक

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। तीनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड—क

(व्याख्या आधारित प्रश्न)

1. अधोलिखित पद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 2×15=30

(क) नारीणां पुरुषाणां च निर्मर्यादो यदा ध्वनिः।

सुव्यक्तं प्रभवामीति मूले दैवेन ताडितम्॥

अथवा

यत्कृते महति क्लेशे राज्ये मे न मनोरथः।

वर्षाणि किल वस्तव्यं चतुर्दश वने त्वया॥

(ख) उद्गलितदर्भकवला मृग्यः परित्यक्तनर्तना मयूराः।

अपसृतपाण्डुपत्राः मुञ्चन्त्यश्रूणीव लताः॥

अथवा

ययया तेरिव शर्मिष्ठा भर्तुर्बहुमता भव।

सुतं त्वमपि सम्राजं सेव पूरुमवाप्नुहि॥

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के आधार पर अनसूया एवं प्रियंवदा का चरित्र-चित्रण कीजिए। 5
3. 'भर्तृनाथा हि नार्यः' इस सूक्ति को समझाइए। 5
4. 'मुद्राराक्षस' नाटक की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए। 5
5. पुत्तलिका नृत्य से नाट्योत्पत्ति के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए। 5
6. भास कृत महाभारतकथा पर आश्रित नाटकों पर प्रकाश डालिए। 5

खण्ड—ग

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

7. रूपक क्या है ? इसे स्पष्ट करते हुए रूपक के भेदों का विस्तृत विवेचन कीजिए। 10

8. महाकवि कालिदास की नाट्यकला और शैली का वर्णन कीजिए। 10

9. हर्ष के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : $3\times5=15$

(क) विदूषक

(ख) जनान्तिक

(ग) प्रस्तावना

(घ) वीथी

× × × × ×